दैनिक भास्कर
26-Feb-2020
जयपुर Page 13

नंदकिशोर आचार्य और रामस्वरूप किसान को अकादमी पुरस्कार

बीकानेर | ख्यातनाम कवि-चिंतक, नाटककार डा.नंदकिशोर आचार्य को 'छीलते हुए अपने को' काव्य संग्रह पर साहित्य अकादमी का हिंदी भाषा में सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। राजस्थानी भाषा में यह पुरस्कार परलीका के रामस्वरूप किसान को कहानी संग्रह 'बारीक बात' पर दिया गया। दिल्ली के कमानी आडिटोरियम में अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने जब यह पुरस्कार प्रदान किए तब मंच पर प्रसिद्ध गीतकार-फिल्म निर्देशक गुलजार सहित देशभर के 24 भाषाओं में पुरस्कृत साहित्यकार मौजूद रहे।

दिल्ली में साहित्यकार रामस्वरूप किसान को सम्मानित किया गया।

डॉ. नंदकिशोर के इस काव्य संग्रह को मिले पुरस्कार के साथ ही साहित्य अकादमी की ओर से वर्ष 1955 से दिए जा रहे हिंदी भाषा के पुरस्कार में पहली बार राजस्थान के कवि का नाम जुड़ा है। मीरा, बिहारी, भुवालका, भुवनेश्वर, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी सहित देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजे जा चुके डा.आचार्य बुधवार को दिल्ली में पाठकों से रूबरू भी होंगे।

दैनिक भास्कर
26-Feb-2020
अजमेर Page 16

रामस्वरूप किसान को कहानी 'बारीक बात' के लिए मिला अकादमी पुरस्कार

हनुमानगढ़ | जिले की नोहर तहसील के गांव परलीका के साहित्यकार रामस्वरूप किसान को मंगलवार को नई दिल्ली स्थित साहित्य अकादमी के कमानी सभागार में उनके राजस्थानी कहानी संग्रह 'बारीक बात' के लिए वर्ष 2019 का साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय भाषाओं के कुल 24 रचनाकारों के साथ किसान को अकादमी अध्यक्ष चंद्रशेखर कम्बार ने एक लाख रुपए का चेक, गुलदस्ता व ताम्र पत्र प्रदान कर तथा शॉल ओढ़ाकर पुरस्कृत किया वसाहित्यकारों को बधाई दी। सचिव के. श्रीनिवासराव ने स्वागत उद्बोधन तथा उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने वक्तव्य दिया। विदित रहे कि किसान की अब तक एक दर्जन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। पुरस्कृत कृति 'बारीक बात' संग्रह की कहानियां राजस्थानी साहित्य की विशिष्ट चेतना का प्रतिनिधित्व करते हुए लोक संस्कृति और आधुनिकता के द्वंद्व को चिन्हित करती हैं और नए साहित्यिक प्रतिमान स्थापित करने के लिए आगे बढ़ती हैं।

दिल्ली में साहित्यकार रामस्वरूप किसान को सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर

26-Feb-2020
बीकानेर Page 2

सम्मान... बीकानेर के डा.नंदकिशोर आचार्य साहित्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित, राजस्थानी पुरस्कार रामस्वरूप किसान को

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

ख्यातनाम कवि-चिंतक, नाटककार डा.नंदकिशोर आचार्य को 'छीलते हुए अपने को' काव्य संग्रह पर साहित्य अकादमी का हिंदी भाषा में सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। राजस्थानी भाषा में यह पुरस्कार परलीका के रामस्वरूप किसान को कहानी संग्रह 'बारीक बात' पर दिया गया।

दिल्ली के कमानी आडिटोरियम में अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने जब यह पुरस्कार प्रदान किए तब मंच पर प्रसिद्ध गीतकार-फिल्म निर्देशक गुलजार सहित देशभर के 24 भाषाओं में पुरस्कृत साहित्यकार मौजूद रहे।

डा.नंदकिशोर के इस काव्य संग्रह को मिले पुरस्कार के साथ ही साहित्य अकादमी की ओर से वर्ष 1955 से दिए जा रहे हिंदी भाषा के पुरस्कार में पहली बार राजस्थान के कवि का नाम जुड़ा है। मीरा, बिहारी, भुवालका, भुवनेश्वर, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी सहित देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजे जा चुके डा.आचार्य बुधवार को दिल्ली में पाठकों से रूबरू भी होंगे।

• 65 साल में पहली बार राजस्थान के हिंदी साहित्यकार को मिला अकादमी पुरस्कार

दैनिक भास्कर
26-Feb-2020
जोधपुर Page 11

रामस्वरूप किसान को कहानी 'बारीक बात' के लिए मिला अकादमी पुरस्कार

हनुमानगढ़ | जिले की नोहर तहसील के गांव परलीका के साहित्यकार रामस्वरूप किसान को मंगलवार को नई दिल्ली स्थित साहित्य अकादमी के कमानी सभागार में उनके राजस्थानी कहानी संग्रह 'बारीक बात' के लिए वर्ष 2019 का साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय भाषाओं के कुल 24 रचनाकारों के साथ किसान को अकादमी अध्यक्ष चंद्रशेखर कम्बार ने एक लाख रुपए का चेक, गुलदस्ता व ताम्र पत्र प्रदान कर तथा शॉल ओढ़ाकर पुरस्कृत किया वसाहित्यकारों को बधाई दी। सचिव के. श्रीनिवासराव ने स्वागत उद्बोधन तथा उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने वक्तव्य दिया। विदित रहे कि किसान की अब तक एक दर्जन पुस्तकें

दिल्ली में साहित्यकार रामस्वरूप किसान को सम्मानित किया गया।

प्रकाशित हो चुकी हैं। पुरस्कृत कृति 'बारीक बात' संग्रह की कहानियां राजस्थानी साहित्य की विशिष्ट चेतना का प्रतिनिधित्व करते हुए लोक संस्कृति और आधुनिकता के द्वंद्व को चिन्हित करती हैं और नए साहित्यिक प्रतिमान स्थापित करने के लिए आगे बढ़ती हैं।

दैनिक भास्कर
26-Feb-2020
उदयपुर Page 11

नंदकिशोर आचार्य और रामस्वरूप किसान को अकादमी पुरस्कार

बीकानेर | ख्यातनाम कवि-चिंतक, नाटककार डा.नंदकिशोर आचार्य को 'छीलते हुए अपने को' काव्य संग्रह पर साहित्य अकादमी का हिंदी भाषा में सर्वोच्च पुरस्कार प्रदान किया गया। राजस्थानी भाषा में यह पुरस्कार परलीका के रामस्वरूप किसान को कहानी संग्रह 'बारीक बात' पर दिया गया। दिल्ली के कमानी आडिटोरियम में अकादमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार ने जब यह पुरस्कार प्रदान किए

तब मंच पर प्रसिद्ध गीतकार-फिल्म निर्देशक गुलजार सहित देशभर के 24 भाषाओं में पुरस्कृत साहित्यकार मौजूद रहे।

डॉ. नंदकिशोर के इस काव्य संग्रह को मिले पुरस्कार के साथ ही साहित्य अकादमी की ओर से वर्ष 1955 से दिए जा रहे हिंदी भाषा के पुरस्कार में पहली बार राजस्थान के कवि का नाम जुड़ा है। मीरा, बिहारी, भुवालका, भुवनेश्वर, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी सहित देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजे जा चुके डा.आचार्य बुधवार को दिल्ली में पाठकों से रूबरू भी होंगे।